विधायक को बताया बाहुबली, विकास में अड़ंगा लगाने के आरोप

खास बातें

- पिछले 27 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे पार्षदों ने आज अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन
- जनप्रतिनिधि अधिकारियों और संगठन की ओर से किसी के भी आकर न मिलने को बताया कारण

नवभारत न्यूज

विदिशा 8 दिसम्बर, करीब एक दर्जन मांगों को लेकर नीमताल गांधी प्रतिमा के सामने धरना दे रहे पार्षदों ने सोमवार को अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया. जिसकी जानकारी लगते ही विधायक मुकेश टंडन धरना स्थल पर पहुंचे और धारना दे रहे पार्षदों से धरना समाप्त करने की बात कही. जिस पर देर शाम तक कोई निर्णय नहीं हो सका और पार्षदों का धरना जारी रहा.

वहीं दूसरी तरफ 66 दिन से बीमार नपा अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा ने सोमवार को नपा अध्यक्ष का चार्ज ले लिया है. उनकी गैर मौजूदगी में नपाउपाध्यक्ष संजय दिवाकिर्ती के पास नपा के वित्तिय पावर थे. जिनका एक आडियो कमीशन को लेकर वायरल हुआ था जिसके बाद उपाध्यक्ष से वित्तिय पावर वापस लिए जाने की मांग भी प्रदशर्न कर रहे पार्षदों की थी. नगर पालिका विदिशा के भाजपा पार्षद पिछले 27 दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं उनका आरोप है कि विकास पूरी तरह से बाधित कर दिया गया है. इस सबके लिए विदिशा विधायक मुकेश टंडन को उन्होंने जिम्मेदार ठहराया, इन 27 दिनों के दौरान प्रशासन या संगठन की ओर से कोई भी व्यक्ति उनसे मिलने नहीं पहुंचा. जिससे नाराज होकर उन्होंने आज धरना प्रदर्शन करने के दौरान अर्धनग्न प्रदर्शन किया. साथ ही उन्होंने आरोप लगे कि जो टेंडर उनके वार्ड में सड़क और अन्य निर्माण कार्य के लिए जारी किए गए थे. उन्हें विधायक द्वारा रद्द कर दिया गया है. पूर्व में 2 साल तक नगर पालिका सुचारू रूप से चली विकास के कार्य भी किए गए, लेकिन विधायक द्वारा नगरपालिका में हस्तक्षेप बढ़ाने के साथ यह अव्यवस्था फैली और विकास पूरी तरह रुक गया पार्षदों ने विधायक को बाहुबली नेता करार देते हुए विकास में बाधक बताया. हालांकि विधायक मुकेश टंडन और नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि दूसरी बार धरने पर बैठे पाषदों से मिलने के लिए पहुंचे.

पार्षदों के बीच पहुंचे विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि

नगर पालिका के पार्षद पिछले 27 दिनों से लगातार अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं. आज दोपहर विधायक मुकेश टंडन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश शर्मा धरना स्थल पर पहुंचे पार्षदों से बात करते हुए उनकी समस्याएं सुनी उनकी मांगों को जल्द पूरा करने का भरोसा दिया वहीं विधायक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कुछ नगर पालिका के कर्मचारियों को हटाए जाने की मांग की गई थी, जिन्हें त्वरित रूप से मौके से ही हटाने का आदेश जारी किया जा रहा है इसके अलावा सीएमओ को हटाने के लिए वरिष्ठ जनों से और अधिकारियों से बात कर आगे की कार्रवाई की जाएगी विकास के जिन मुद्दों को लेकर पार्षदों ने अपनी बात रखी है उन्हें भी पूरा किया जाएगा साथ ही साथ उन्होंने धरना स्थल पर ही 50 लाख रुपए के सौंदर्य करण और अन्य कार्यों को करने के लिए विधायक निधि से राशि जारी करने की बात कही बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पार्षदों की नाराजगी उनसे भी थी जिसे दूर कर लिया गया है सभी पार्षद नगर पालिका और विधायक मिलकर शहर के विकास के लिए काम करेंगे जल्दी ही धरना प्रदर्शन समाप्त होगा ऐसी उम्मीद उन्होंने जताई.

बीमारी का हवाला देकर दे दिया था चार्ज, संभाला पदभार

नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ नपा के 38 पार्षदो एकजुट होकर कलेक्टर को शिकायती आवेदन दिया और उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था. इस मामले ने जमकर तूल पकड़ा था. जिसके बाद भाजपा संगठन के प्रेशर में आकर नपाध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा ने बीमारी का हवाला देते हुए अध्यक्ष का चार्ज नपा उपाध्यक्ष संजय दिवाकिर्ती को दे दिया गया था साथ ही वित्तिय पावर भी उपाध्यक्ष के पास थे. इसी बीच एक ठेकेदार और उपाध्यक्ष को एक आडिया वायरल हुआ था जिसमें उपाध्यक्ष एक ठेकेदार से कमीशन की बात करते हुए सुनाई दे रहे थे वहीं निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने की भी बात की जा रही थी. जैसे ही यह आडियो वायरल हुआ उसके बाद धरना दे रहे पार्षदों समेत अन्य पार्षदों ने उपाध्यक्ष से वित्तिय पावर वापस लेने और प्रीति राकेश शर्मा को दोबारा से चार्ज देने की मांग की गई थी. जिसके बाद करीब 66 दिन बाद प्रीति राकेश शर्मा पूरी तरह स्वस्थ्य हो गईं और सोमवार का अध्यक्ष का चार्ज संभाल लिया.

शिवसेना ने की मांग, भ्रष्टाचार की हो सीबीआई जांच

सोमवार को शिवसेना के कार्यकर्ता और पदाधिकारी ढोल नगाड़े लेकर जुलूस की शक्ल में कलेक्टोरेट पहुंचे जहां पर राज्यपाल और सीएम के नाम शिकायती आवेदन दिया जिसमें मांग की गई की शहर के विकास में करोड़ों रुपए खर्च होना दिखाया गया लेकिन धरातल पर काम नजर नहीं आ रहा है.जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मिली भगत से जमकर भ्रष्टचार किया गया है. जिसकी जांच सीबीआई से कराई जाए.ज्ञापन में यह भी कहा गया कि शहर की सड़के खुदी हुई हैं. धूल से लोग बीमार हो रहे हैं समेत कई आरोल लगाए गए हैं.

विधायक ने कलेक्टर को पत्र लिख की अनेक मांगें

नवभारत न्यूज

विदिशा, माधवराव सिंधिया के नाम से संचालित जिला चिकित्सालय परिसर में श्रीमंत माधवराव सिंधिया की प्रतिमा स्थापित किए जाने एवं शहर के प्रमुख नालों के डाइवर्जन हेतु सर्वे कराए जाने को लेकर विधायक मुकेश टंडन ने कलेक्टर को पत्र लिखकर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया है.विधायक टंडन ने विदिशा शहर के प्रमुख नालों पुराना जिला चिकित्सालय से बांसकुली, बालकदास की तलैया होते हुए गर्ल्स स्कूल डंडापुरा की ओर जाने वाले नाले तथा गुलाब वाटिका से प्रारंभ होकर सिंधी कॉलोनी होते हुए पटेल गार्डन की ओर जाने वाले नाले का सर्वे कराकर उन्हें डाइवर्ट किए जाने का आग्रह किया है.इस संबंध में लिखे गए पत्र में विधायक ने लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी, पीएचई विभाग, सिंचाई विभाग एवं नपा के इंजीनियरों की संयुक्त टीम गठित किए जाने का अनुरोध किया है, ताकि नालों से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान किया जा सके.विधायक ने दोनों नालों के डाइवर्जन हेतु शीघ्र सर्वे कराकर प्रभावी व स्थायी समाधान सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया है.

मास्साब की शर्मनाक हरकत, छात्रा से डबल मीनिंग की चैट वायरल

सेऊ के सरकारी स्कूल से सामने आया मामला

अभाविप ने प्राचार्य पर कार्यवाही की मांग करते हुए दिया शिकायती आवेदन

नवभारत न्यूज

नटेरन, नटेरन के एक सरकारी स्कूल के प्राचार्य की एक चैट का स्क्रीन शॉट बहुत जमकर वायरल हो रही है. इस चैट में प्राचार्य एक छात्रा से यह जानकारी लेते नजर आ रहे है कि किधर चैट चल रही है. जिस पर छात्रा जबाव देती है कि कहीं नहीं इस पर प्राचार्य भगवान दास लिखते है कि पुरी रात ऑन लाइन रहती हो, पिछले तीन दिन से देख रहा हूं. इस पर छात्रा ने लिखा की नींद लग जाती है और मोबाइल ऐसे ही रखा रहता है. इस पर भगवान दास लिखते है कि सब सहेलियां आपस में बात करती रहती हैं.छात्रा लिखती है हां. इस पर प्राचार्य भगवान दास ने लिखा कि क्या बात करती हैं, मेरी चर्चा होती है कि नहीं.क्या हुआ जबाव नहीं है क्या वीडियो कॉल करूं इतनी चैट होने के बाद छात्रा भगवान दास का नंबर ब्लॉक कर देती है. यही पूरी चैट का स्क्रीन शॉट जैसे ही वायरल हुआ जिसके बाद नटेरन में हडकंप मच गया. प्राचार्य भगवान दास के खिलाफ गुस्सा पनप गया. जिसके बाद सोमवार की दोपहर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सेऊ के सरकारी स्कूल में पदस्थ भगवान दास अहिरवार पर कार्यवाही के लिए एसडीएम को शिकायती आवेदन दिया. अभाविप ने आरोप लगाया कि प्राचार्य भगवान दास छात्राओं को अश्लील मैसेज भेजते हैं और वीडियो कॉल के लिए दबाव बनाते है. प्राचार्य के इस हरकत से बच्चों के अभिभावकों ने भी जमकर गुस्सा है वे हर हाल में प्राचार्य भगवान दास अहिरवार पर कार्यवाही की मांग कर रहे है.

कुछ दिन पहले ही बनाया था प्रभारी प्राचार्य

नटेरन ब्लाक के सरकारी उच्चर माध्यमिक विद्यायल सेऊ में प्राचार्य का पर रिक्त होने से विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी से मिले प्रस्ताव पर जिला शिक्षा अधिकारी ने 3 दिसंबर को भगवान दास जाटव को सेऊ के सरकारी स्कूल का प्रचार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था. प्रभार मिलने के कुछ दिन बाद ही प्राचार्य भगवान दास की यह चैट उजागर हो गई है. अभाविप ने कहा कि वायरल चैट से प्राचार्य की मंशा उजागर हो रही है और स्कूल की बच्चियों में डर का माहौल बना हुआ है. जिसके चलते तत्काल प्रभाव से प्राचार्य भगवान दास पर कार्यवाही की जाए. ज्ञापन देने के दौरान बड़ी संख्या में अभाविप के सदस्य मौजूद थे.

किसानों ने मांगी बिजली

नवभारत न्यूज

नटेरन, नटेरन भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक हुई.आक्रोशित कार्यकर्ता और किसानों ने एसडीएम कार्यालय पहुंच कर बिजली आपूर्ति को लेकर दिए आवेदन.नटेरन क्षेत्र में किसानों को विद्युत आपूर्ति की एक गंभीर समस्या बनी हुई है जिसको लेकर अब क्षेत्र में भारतीय किसान संघ ने मोर्चा संभाला है और किसानों के साथ हमें जो सरकार बिजली दे ना सकी वह सरकार निकम्मी है के नारे लगाते हुए नटेरन एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा.वहीं दूसरा ज्ञापन विद्युत विभाग के नटेरन जेई लाले राम खेरवार को दिया गया है. किसान संघ ने ज्ञापन के माध्यम से बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है.ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में किसानों को कृषि पंपों के लिए बिजली दिन के बजाय रात के समय उपलब्ध कराई जा रही है.कई गांवों में यह बिजली कभी रात 12 बजे, कभी 2 बजे तो कभी 4 बजे रात में मिलती है. कड़ाके की ठंड में किसानों को खेतों तक जाना पड़ता है, जिससे उन्हें जान-माल का खतरा बना रहता है.रात के अंधेरे में खेत जाने के दौरान कई बार किसान करंट की चपेट में आने जैसी दुर्घटनाएं होने और ठंड से बीमार पड़ने की घटनाएं सामने आ रही हैं.किसान संघ ने मांग की है की किसानों को कृषि पंपों की बिजली दिन के समय उपलब्ध कराई जाए, जिसमें किसान सुरक्षित तरीके से सिंचाई कर सकें और उनकी जीवनशैली प्रभावित न हो.ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सरकार द्वारा किसानों को 10 घंटे बिजली देने का प्रावधान है, लेकिन वास्तविकता में उन्हें मात्र 7-8 घंटे या उससे भी कम बिजली मिल रही है.किसान संघ ने तर्क दिया है की यदि माह के औसत की गणना की जाए तो किसानों को लगभग 300 घंटे बिजली मिलनी चाहिए, जबकि वर्तमान में उन्हें केवल 200 से 250 घंटे के बीच ही बिजली उपलब्ध हो पा रही है.इसके अलावा जिस दिन बिजली तकनीकी खराबी, कटौती या अन्य कारणों से बंद रहती है, उसकी भरपाई उसी दिन अतिरिक्त बिजली देकर किए जाने की भी किसान संघ के द्वारा मांग की गई है. किसान संघ ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है की किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार किया जाएगा, ताकि किसानों को राहत मिल सके और किसान सुरक्षित माहौल में कृषि कार्य कर सकें.

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

विरोध | **प्रेस क्लब संघ, कांग्रेस और सनातन हिंदू उत्सव समिति ने दिया ज्ञापन**

तहसीलदार द्वारा पत्रकारों को नोटिस देने के विरोध में दिया ज्ञापन

नवभारत न्यूज

विदिशा, तहसीलदार द्वारा कुछ पत्रकारों को जारी किए गए नोटिस के विरोध में सोमवार को प्रेस क्लब संघ, जिला कांग्रेस कमेटी और सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के सदस्यों ने आक्रोश जताते हुए कलेक्टोरेट पहुंचकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के सचिव के नाम प्रेषित ज्ञापन सौंपा और इसे पत्रकारों की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार का हनन बताया. ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि तहसीलदार का ट्रांसफर किया जाए और जो नोटिस जारी किए गए हैं उस मामले की जांच कराई जाए. इस अवसर पर प्रेस क्लब संघ अध्यक्ष सचिन तिवारी, भरत राजपूत, विनय सक्सेना, राकेश मीणा, अमित श्रीवास्तव, सुरेश शर्मा, मनोज श्रीवास्तव, संतोष रैकवार,मनोज परिहार, शाहिद अहमद, जितेंद्र शर्मा, विजय शर्मा, रंजीत ठाकुर, कोमल प्रसाद सेन, कमल रैकवार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद थे.

जिला कांग्रेस कमेटी ने भी जताई आपत्ति

इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने बताया कि तहसीलदार द्वारा नगर के कुछ पत्रकारों को नोटिस जारी किया गया है.यह नोटिस पत्रकारों के मौलिक अधिकारों और उनकी स्वतंत्रता को रोकने के लिए दिया गया है. जिले में प्रशासनिक तानाशाही अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुकी है. उन्होंने कहा कि तहसीलदार द्वारा पत्रकारों को सोशल मीडिया पर की गई सामान्य चर्चा को प्रशासन को बदनाम करना बताकर नोटिस जारी करना प्रेस की स्वतंत्रता का सीधा अपमान है.इस दौरान सुभाष बोहत, प्रियंका किरार, अरुण अवस्थी, अर्पित उपाध्याय, अजय दांतरे, गोविंद भार्गव, अवधेश दुबे, रवि साहू, राजू पासी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे.

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति ने भी जताया एतराज

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के सदस्य भी कलेक्टोरेट पहुंचे और ज्ञापन दिया गया. इस दौरान समिति अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी ने कहा कि तहसीलदार द्वारा पत्रकारों को जारी किए गैर कानूनी और दुर्भाग्यपूर्ण नोटिस को तत्काल रद्द किया जाए एवं संबंधित अधिकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि किसी भी लोक सेवक के पास पत्रकारों को धमकाने या नोटिस जारी करने का कोई अधिकार नहीं है यह कार्रवाई स्पष्ट रूप से बदले की भावना से या अधिकारी के खिलाफ प्रकाशित हुई सत्य एवं सत्यात्मक खबरों के कारण की गई है.

तहसीलदार-पत्रकार विवाद में कर्मचारी संघ भी उतरा मैदान में

तहसीलदार द्वारा पत्रकारों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के मामले में सोमवार को नया मोड़ सामने आया.सुबह विदिशा प्रेस क्लब संघ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ, सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति एवं जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कलेक्टर को तहसीलदार के स्थानांतरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था.इसके बाद देर शाम म.प्र. तहसीलदार संघ, म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ तथा म.प्र. पटवारी जिला संघ द्वारा तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी के समर्थन में संयुक्त रूप से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया.कर्मचारी संगठनों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि कुछ पत्रकारों द्वारा अनावश्यक दबाव बनाकर तहसीलदार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है.ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 4 दिसंबर को विदिशा प्रेस फोटोग्राफर संघ के व्हाट्सएप गुप में पत्रकार जितेंद्र सिंह राजपूत, पीयूष मालवीय, नाजिर अली सहित अन्य द्वारा तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी के विरुद्ध अभद्र टिप्पणियां की गईं, जिससे उनकी छवि धूमिल हुई.कर्मचारी संघों के अनुसार, जब तहसीलदार द्वारा साक्ष्य/तथ्य प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया, तो संबंधित पत्रकारों द्वारा कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए.इसके बावजूद दबाव बनाने के उद्देश्य से व्हाट्सएप ग्रुपों में लगातार अनावश्यक टिप्पणियां की जा रही हैं.ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ लोग न्यायालयीन कार्यों में हस्तक्षेप करते हुए अन्य व्यक्तियों के नामांतरण प्रकरण प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे उनकी भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है. इसे पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विपरीत बताया गया.